No.	Formula (सूत्र)	विवरण (हिंदी में)
1	$V_A - V_B = \frac{W}{q_0}$	**विभवांतर की परिभाषा:** बिंदु A से B तक इकाई आवेश ले जाने में कि गया कार्य।
2	$V = \frac{W}{q_0}$	**विद्युत विभव:** अनंत से बिंदु तक इकाई धन आवेश लाने में किया गया कार्य।
3	$V = \frac{1}{4\pi\epsilon_0}\frac{q}{r}$	**बिंदु आवेश के कारण विभव:** दूरी r पर आवेश q के कारण विभव।
4	$V = \frac{1}{4\pi\epsilon_0}\frac{p\cos\theta}{r^2}$	**द्विध्रुव के कारण विभव (सामान्य बिंदु):** θ = अक्ष व रेखाखंड के बीच कोण।
5	$V_{\text{अक्षीय}} = \frac{1}{4\pi\epsilon_0}\frac{p}{r^2}$	**द्विध्रुव के अक्ष पर विभव:** अक्ष पर स्थित बिंदु के लिए ($\theta = 0°$)।
6	$V_{\text{निरक्षीय}} = 0$	**द्विध्रुव की विषुवत रेखा पर विभव:** निरक्षीय बिंदु पर विभव शून्य होता है।

7	$W = pE(\cos\theta_1 - \cos\theta_2)$	**द्विध्रुव को घुमाने में कार्य:** θ_1 से θ_2 तक घुमाने पर।
8	$U = -pE\cos\theta$	**द्विध्रुव की स्थितिज ऊर्जा:** एकसमान विद्युत क्षेत्र में।
9	$C = \frac{Q}{V}$	**धारिता की मूल परिभाषा:** संधारित्र का आवेश (Q) व विभवांतर (V) क अनुपात।
10	$C = 4\pi\epsilon_0 R$	**एकाकी गोले की धारिता:** त्रिज्या R वाले गोलाकार चालक के लिए।
11	$C = \frac{\epsilon_0 A}{d}$	**समांतर प्लेट संधारित्र (वायु):** प्लेट क्षेत्रफल A, प्लेटों के बीच दूरी d।
12	$C_{\text{वायु}} = \frac{\epsilon_0 A}{d}$	**वायु में समांतर प्लेट संधारित्र:** बिना परावैद्युत के।
13	$C_{\text{परावैद्युत}} = \frac{\epsilon_0 A}{d - t + \frac{t}{K}}$	**परावैद्युत युक्त संधारित्र:** परावैद्युत मोटाई t, परावैद्युतांक K।
16	$F = qE$	**आवेश पर बल:** विद्युत क्षेत्र E में आवेश q पर लगने वाला बल।
17	$C = 4\pi\epsilon_0 \frac{Rr}{R - r}$	**गोलीय संधारित्र:** बाहरी त्रिज्या R, आंतरिक त्रिज्या r।

18	$C = \frac{2\pi\epsilon_0 L}{\ln(b/a)}$	**बेलनाकार संधारित्र:** लंबाई L, बाहरी त्रिज्या b, आंतरिक a।
19	$\frac{1}{C_{\text{eq}}} = \frac{1}{C_1} + \frac{1}{C_2} + \frac{1}{C_3}$	**श्रेणीक्रम संधारित्र:** तुल्य धारिता का सूत्र।
20	$C_{\text{eq}} = C_1 + C_2 + C_3$	**समांतर क्रम संधारित्र:** तुल्य धारिता।
21	$U = \frac{1}{2}\frac{Q^2}{C} = \frac{1}{2}CV^2 = \frac{1}{2}QV$	**संधारित्र में संचित ऊर्जा:** तीनों रूपों में।
22	$V_{\text{common}} = \frac{C_1V_1 + C_2V_2}{C_1 + C_2}$	**उभयनिष्ठ विभव:** दो आवेशित संधारित्र जोड़ने पर।
23	$E = -\frac{dV}{dr}$	**विद्युत क्षेत्र व विभव संबंध:** क्षेत्र, विभव प्रवणता के ऋणात्मक के बराबर।